>

Title: Need to fill the vacant post of teachers in Uttar Pradesh.

श्रीमती अन्नू टण्डन (उन्नाव): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं। मैं सबसे पहले यूपीए सरकार, एचआरडी मंत्रालय एवं इस सदन का धन्यवाद देना चाहती हूं कि राइट टू एजुकेशन जैसे ऐतिहासिक बिल को हमने पारित किया। हमारी महामहिम राष्ट्रपति महोदया जी ने भी अपने अभिभाषण में राइट टू एजुकेशन की बात की थी, जिसके लिए सबसे बड़ी और अहम जरूरत शिक्षकों की है। अगर शिक्षा होगी तभी देश का विकास होगा, यह हम सब जानते हैं। लेकिन मैं आपके सामने एक बहुत अहम बात लाना चाहती हूं कि पूरे देश में कई जगह, मैं उत्तर प्रदेश का उदाहरण दे सकती हूं क्योंकि मैं उत्तर प्रदेश की हूं, कि वहां एक तरफ सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत 3 लाख 25 हजार प्राइमरी टीचर्स की पोजीशन्स खाली हैं और साथ-साथ बीएड के तकरीबन 4 लाख ट्रेंड टीचर्स मौजूद हैं। जब वहां सलैक्शन प्रोसैस होता है और प्राइमरी स्कूल के टीचर्स का सलैक्शन किया जाता है, तब इंटरमीडिएट पास टीचर्स का भी सलैक्शन किया जाता है, जबकि बीएड के 4 लाख ट्रेंड टीचर्स जॉबलैस बैठे हुए हैं। यह बहुत जरूरी मुद्दा है क्योंकि हाल ही में जंतर-मंतर में एसोसिएशन ने धरना दिया था और मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डैवलपमैंट के अधिकारियों को अपना मैमोरंडम भी दिया था। परन्तु उस पर अभी कुछ नहीं हुआ है। मेरा आपके द्वारा इस मंत्रालय से अनुरोध है कि अगर गुणवत्ता और क्वालिटी एजुकेशन की बात की जाती है तो शिक्षित शिक्षकों के सलैक्शन प्रोसैस को अहमियत दी जाए। इस तरह शिक्षकों की बेरोजगारी दूर हो सकती है।